**वन उत्पादकता संस्थान, रांची**

**अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2020** "प्रकृति में हमारा समाधान"

दिनांक 22.05.2020

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2020 दिनांक 22.05.2020 को वन उत्पादकता संस्थान,रांची द्वारा वेबीनार के माध्यम से आयोजित किया गया| अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस वर्ष, 2020 का विषय "प्रकृति में हमारा समाधान" पर चर्चा की गयी| इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने जैव विविधता पर वेबीनार के माध्यम से अपने व्याख्यान में विस्तृत रुप से चर्चा की | इन्होने Covid -19 के वारे में भी चर्चा कर वताया कि लोकडाउन के कारण मनुष्यों की गतिविधियों में कमी से मात्र दो महीने में ही विभिन्न प्राकृतिक क्षेत्रों में प्रदूषण मात्रा कम जाने के कारण धरातल, नदियों, समुद्रों एवं विश्व के जंगलों में वहुत से जीव–जन्तु, पक्षियों को स्व्छंद से विचरित करते देखा जा रहा है| जलाशय के जल भी स्वछ हो गए हैं| अतः यह उदाहरण प्रकृति में हो रहे असंतुलन के लिए हम मनुष्य जाति को ही जिम्मेदार सिद्ध कर रहा है| पृथ्वी पर जैव विविधता को वनाये रखने के लिए विश्व स्तर पर पर्यावरण को सूरक्षित रखा जाना अति आवश्यक होगा और प्रत्येक को अपने के स्वयं के स्तर पर प्रयास करते रहना होगा|

निदेशक ने वताया की समय पर सुधार नहीं किया गया तो जलवायु परिवर्तन एवं मौसमी आपदाओं के कारण 2050 तक आर्थिक दृष्टि से भी 50% तक वैश्विक नुकसान की सम्भावना है,तथा 2048 तक 45% जैव विविधता को नुकसान हो सकता है| संस्थान के निदेशक सुखद घटनाक्रम की भी चर्चा की और कहा कि वैश्विक स्तर पर 2.5% वन क्षेत्र एवं 14% वन संरक्षित वन क्षेत्र बढ़ा है ,परन्तु यह काफी नहीं है| इन्होने Covid-19 के कारण लोकडाउन के दरम्यान आए कई विडियो उत्साहवर्धक है| नभचरों एवं उभयचरों हेतु संस्थान परिसर एवं अपने अपने गृह परिसर मे भी जल की वयवस्था पर ज़ोर दिया| वैश्विक परिप्रेक्ष में देश की प्रदूषण पर संतोष व्यक्त करते हुए भावी पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित करने का आह्वान किया|

संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) डा. योगेश्वर मिश्रा ने कार्यक्रम का विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि जैव विविधता बनाये रखने के लिए जागरूकता फैलाने पर बल दिया| इन्होने वातावरण के प्रत्येक घटक का संरक्षण करने हेतु विशेष उपाय करने का आहवान किया| भूतकाल में किए गए विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ एवं झारखण्ड में जैव विविधता संरक्षण परियोजनाओं में बढ़कर भाग लेने का आहवान किया| डा. मिश्रा ने कहा कि हमार सारे समस्याओं का समाधान प्रकृति में है| जरूरत है उचित प्रवंधन द्वारा प्रकृति की रक्षा की जाए|

संस्थान के डा. एस.एन. मिश्रा,मुख्य तकनीकी अधिकारी ने अपने व्याख्यान में संसार में घटते जीवों की संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रकृति को संस्कृति के साथ जोड़कर देखने पर बल दिया| पिघलते ग्लेसियर की चर्चा करते हुये इसके नुकसान को अपूर्णीय वताया| लगभग 10000 से अधिक प्रजातियों का विलुप्त होना पर्यावरण के लिए खतरनाक बताया|कई उदाहरणों के साथ बताया की यह सावित हो गया की हमारा समाधान प्रकृति में है | Covid-19 के लोकडाउन की स्थिति में बंद पारगमन,बंद उद्योग फैक्टरिया, आदि के कारण विभिन्न देशों के प्रदूषण मानकों में सुधार यह साबित करता है कि यदि सावधानी से विकास की राह चुने तो पर्यावरण को प्रदूषित होने से वचा सकते हैं|

संस्थान के सुकना केंद्र के प्रभारी उप वन संरक्षक, श्री पी. सी. लाकरा ने जैव विविधता में वन्य जीवों की भूमिका पर विस्तार से अपना विचार रखा| विलुप्त हो चुके एवं विलुप्त प्राय वन जीवों से हुये जैव विविधता कि क्षति को वैज्ञानिक परिप्रेक्ष में रेखांकित किया| इन्होने व्याघ्र अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान ,संरक्षित वन आदि कि आवश्यकता को भी चर्चा किया|

संस्थान के शोधार्थियों एवं शोधकरमियों ने भी जैवविविधता के विभिन्न क्षेत्रों की चर्चा की तथा जीव जन्तु ,पादप, वनस्पतियों के वीच संबंध को विस्तार से प्रस्तुत किया|

इस अवसर पर श्रीमती रुवी सुसाना कुजूर, वैज्ञानिक, 'सी' द्वारा वेबीनार के माध्यम से कार्यक्रम का संचालन किया गया | कार्यक्रम का समापन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री संजीव कुमार,वैज्ञानिक, 'ई' द्वारा दिया गया |

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता के अवसरपर संस्थान के लगभग 55 प्रतिभागियों ने वेबीनार के माध्यम (LapTop, Computer, Mobile) से भाग लिया | इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. एस. एन.मिश्रा, मुख्य तकनीकी अधिकारी,श्री एस.एन.वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री बी.डी. पंडित,तकनीकी अधिकारी, श्री बसंत कुमार, श्री सूरज कुमार एवं श्री आदर्श राज का विशेष योगदान रहा |

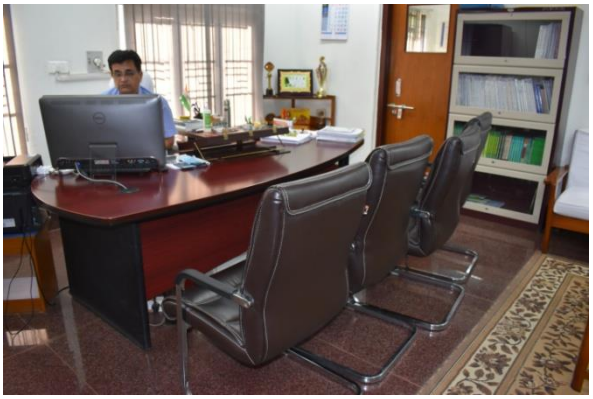

# अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2020 के वेबीनार की झलकियां

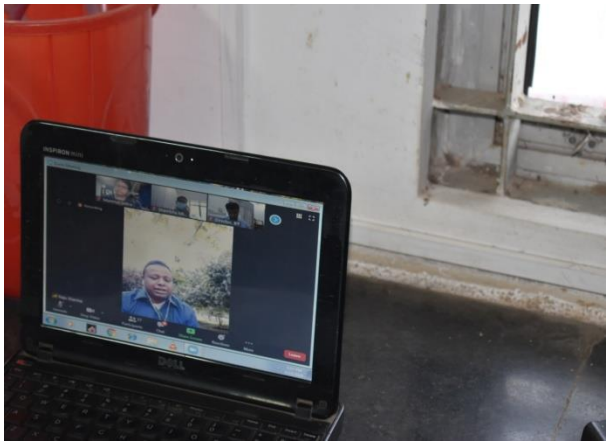

अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2020 के वेबीनार की झलकियां

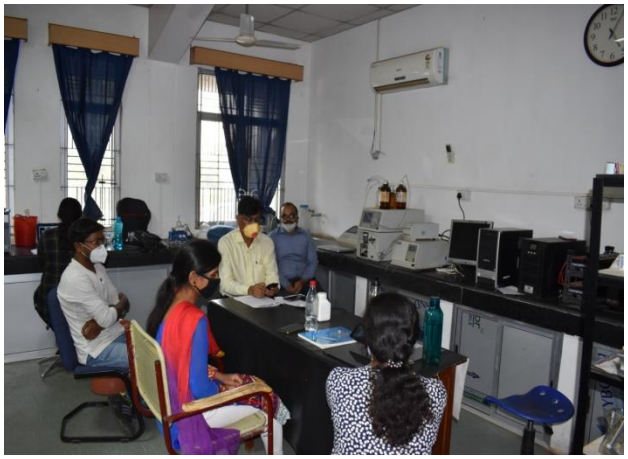

अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस ,2020  की वेवीनार की झलकिया